make use of it. I, therefore, urge upon the Government to start a Urdu News Bulletin in the morning on DD 1. Thank you, Sir.

MR. CHAIRMAN : Shri R.S. Gavai; he is not here. Prof. M.M. Agarwal.

Unhygienic Conditions Prevailing in Delhi Schools

प्रो.एम.एम. अग्रवाल(उत्तर प्रदेश)ः माननीय सभापति महोदय, मैं सरकार का ध्यान राजधानी दिल्ली में सरकार स्कूलों व केंद्रीय विद्यालयों तथा मशहूर पब्लिक स्कूलों में छोटे छोटे बच्चों के लिए शौचालय व शुद्ध पीने के अभाव की तरफ ध्यान आकर्षित कराना चाहता हूं।

चेयरमैन सर, ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान राजधानी दिल्ली में सरकारी स्कूलों, केंद्रीय विद्यालयों व नगर निगम के स्कूलों में मरम्मत रख-रखाव के नाम पर करोड़ों रुपए खर्च के बावजूद भी विद्यार्थियों के लिए शौचालय की ठीक-ठाक व्यवस्था नहीं है। जिन स्कूलों में शौचालय हैं, वे सभी जाम पड़े हुए हैं। उदाहरणर्थ, दिल्ली नगर निगम के जो स्कूल चल रहे हैं, उनसें से लगभग 638 स्कूलों में शौचालय अब भी जाम पड़े हैं और लगभग 65 स्कूल ऐसे हैं जहां पर शौचालय बन ही नहीं पाए हैं। इतना ही नहीं, दिल्ली के अधिकांश स्कूलों सें अध्ययन कर रहे विधार्थियों को शुद्ध पीने का पानी भी उपलब्ध नहीं है। कोलम्बस जैसे मशहूर पब्लिक स्कूल में बच्चों के लिए पीने के पानी का अभाव है। चेयरमैन सर, संबंधित अधिकारी व कर्मचारी-गण-सरकारी पैसे से खिलवाड़ करके देश का नुकसान कर रहे हैं। स्कूलों में बच्चों की समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। सरकारी अधिकारियों की लापरवाही की खामयाजा इन स्कूलों में पढ़ रहे बच्चों को भुगतना पड़ रहा है। दिल्ली के इन स्कूलों में छोटे छोटे बच्चे पढ़ते हैं। उनके लिए शौचालय, पीने का पानी, सफाई व साफ-शुद्ध वातावरण होना बहुत आवश्यक है। अधिकांश स्कूलों में शौचालयों की छतें इतनी कमजोर व जर्जर हो चुकी हैं कि वे कभी भी दुर्घटना-ग्रस्त हो सकती हैं और बच्चों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ सकता है। इससे हमारे राष्ट्र का ही नुकसान है।

अतः मेरा सरकार से अनुरोध है कि आज के बच्चे जो देश के भावी कर्णधार हैं उनके भविष्य को सुरक्षित रखने, उन्हें बीमारियों से बचाने, उनके लिए स्कूलों में मूल सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए संबंधित अधिकारियों, राज्य सरकारों व सभी शिक्षा संस्थाओं को इस संबंध में आवश्यक कार्यवाही करने के लिए निर्देश जारी करने की कृपा करें। धन्यवाद।

SHRI MD. SALIM (West Bengal) : Mr. Chairman, Sir, we have been given this Supplementary List of Business, after the Revised List of Business. The Supplementary List of Business states that *...(Interruptions)...*

MR. CHAIRMAN : I am on Special Mentions.

SHRI MD. SALIM : That is why, Sir, I am putting this question. What is the use of this Supplementary List of Business? Why is it circulated? That is the question. I am happy. It should be the time for Special Mentions now. I am not objecting to that. But why is this Supplementary Business being circulated, and what for?

MR. CHAIRMAN: Let it be over first; let the Special Mentions be over first.

SHRI MD. SALIM: I am happy. Let there be Special Mentions now. There should be no doubt about it. What does the List say? Why is the discrepancy there?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI O. RAJAGOPAL): It may be taken up after the Special Mentions.

MR. CHAIRMAN: The Special Mentions are to be taken up first.

SHRI MD. SALIM: That is why the Revised List should be corrected.

SHRI O. RAJAGOPAL: Chair can always give directions on what
item should be taken up. .... *(Interruptions) ....*

MR. CHAIRMAN: There is no mention of 'Special Mentions" in the List.

SHRI O. RAJAGOPAL: Chair can always direct that it can be taken up after the Special Mentions, as is the convention in this House. *(Interruptions)*

श्री मोहम्मद सलीमः आपकी समझ में वह बात नहीं आ सकती। ...(**व्यवधान**)... अच्छा है, मैं आपको बधाई देता हूं उसके लिए। लेकिन इसको भी जरा देखना चाहिए। ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: That is all right. It is not going to come. I am on Special Mentions. After that, let us see.

SHRI MD. SALIM: Sure. स्पेशल मेंशन चलेगा। इसको फिर रद कर दीजिए। ...(**व्यवधान**)... बोलिये, सप्लीमेंटरी लिस्ट आई, वह ठीक नहीं है। ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Mr. R. K. Anand not present.

Mr. Narendra Mohan.

Gross Violation of Human Rights in Bihar

श्री नरेन्द्र मोहन(उत्तर प्रदेश)**:** सभापति महोदय, आपने जो अनुमति प्रदान की है, उसके लिए मैं धन्यवाद देता हूं। बिहार में दलितों की स्थिति अत्यंत भयानक हो गई है और उनके ऊपर अत्याचार होते चले जा रहे हैं। ...(**व्यवधान**)... इसके विषय में...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः आपने तो अंग्रेजी में दिया है, अंग्रेजी में पढ़िये।

श्री नरेन्द्र मोहनः मैं उसका अनुवाद ही पढ़ देता हूं। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः नहीं नहीं। जिसमें आपने दिया है, उसमें पढ़िये। ...(**व्यवधान**)...

श्री नरेन्द्र मोहनः सभापति जी, मैं आपका ध्यान इस रुल बुक के 180 (बी) की ओर दिलाना चाहता हूं।

श्री सभापति: आप क्यों इस बात में पड़ रहे हैं? आपने अंग्रेजी में दिया है, अंग्रेजी में पढ़ दीजिए।...(**व्यवधान**)...

श्री नरेन्द्र मोहनः अगर सभी की यही राय है तो मैं अंग्रेजी में पढ़ दूंगा।

श्री सभापतिः हां हां, बिलकुल।

श्री नरेन्द्र मोहनः सभापति जी यह एक अन्याय की बात है। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः ट्रांसलेशन ट्रांसलेटर करेंगे। आप अंग्रेजी में पढ़ियेगा...(व्यवधान)...

श्री नरेन्द्र मोहनः मैं बहुत अदब से एक प्रार्थना आपसे करना चाहता हूं। जो निर्णय आप दे देंगे। मैं स्वीकार करुंगा। इस रुल बुक में ऐसा कुछ भी नहीं लिखा है...(व्यवधान)...

श्री सभापतिः ऐसा कुछ लिखने की जरुरत नहीं है। There is something, which is in practice, जब आप अंग्रेजी में लिख कर दे रहे हैं तो अंग्रेजी में पढ़िये। There is